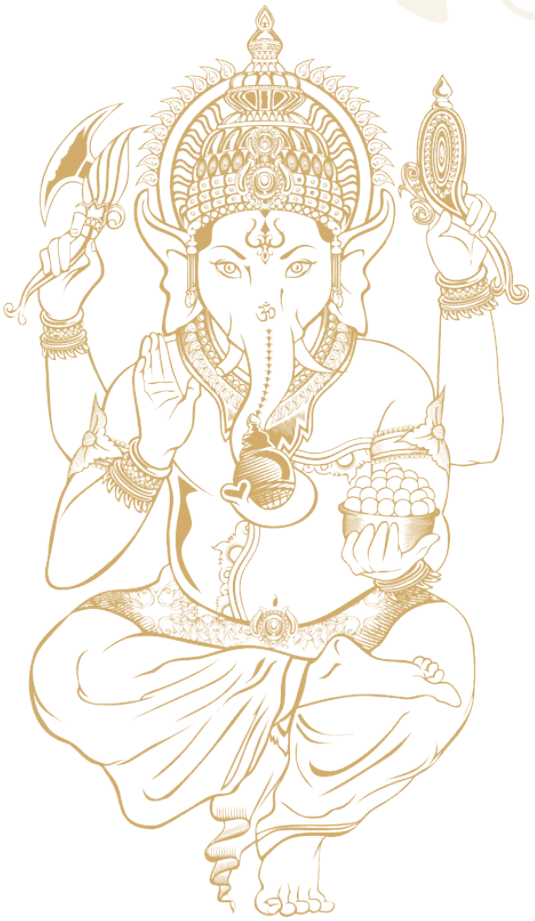

Mr tyagi

01 Jan 2026

12:28 PM

Muzaffarnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120807803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:28:00 घंटे**
इष्ट	13:04:42 घटी
स्थान	**Muzaffarnagar**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:28:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:08:48 घंटे
वेलान्तर	-00:03:28 घंटे
साम्पातिक काल	18:52:35 घंटे
सूर्योदय	07:14:07 घंटे
सूर्यास्त	17:31:36 घंटे
दिनमान	10:17:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:38:34 धनु
लग्न के अंश	24:33:54 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुभ
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीरसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	24:33:54	505:05:55	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	---
सूर्य			धनु	16:38:34	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	16:51:12	15:01:31	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल		अ	धनु	18:41:20	00:45:59	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
बुध			धनु	04:52:23	01:31:37	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	27:05:52	00:07:51	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	15:21:01	01:15:30	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			मीन	01:57:45	00:03:31	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	16:41:22	00:08:52	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:41:22	00:08:52	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:43:10	00:01:38	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:17:19	00:00:45	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:30:20	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	17:52:30	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:18

लग्न-चलित

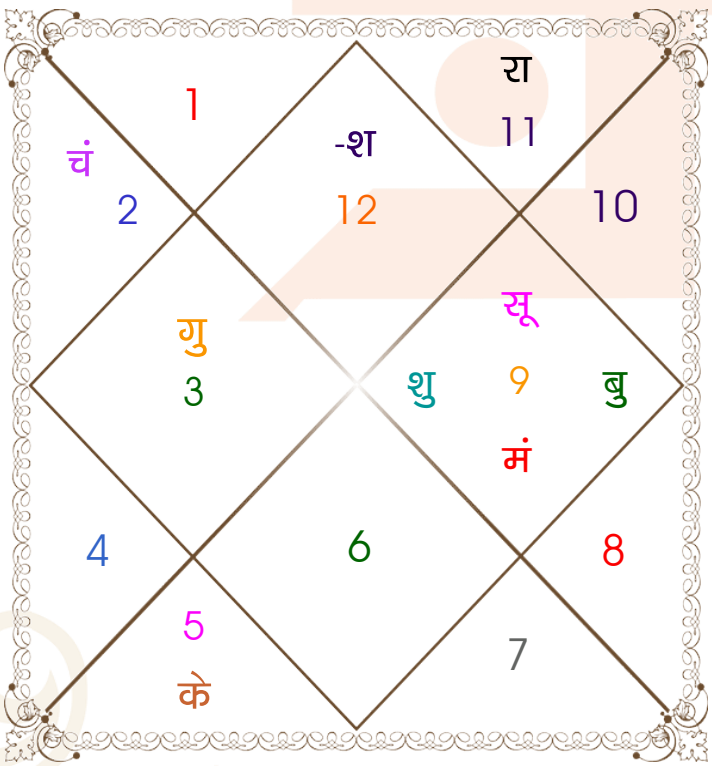

चन्द्र कुंडली

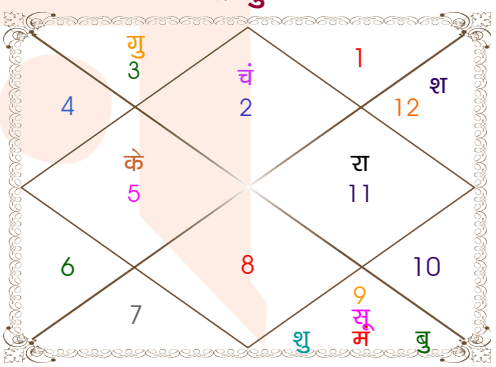

नवमांश कुंडली

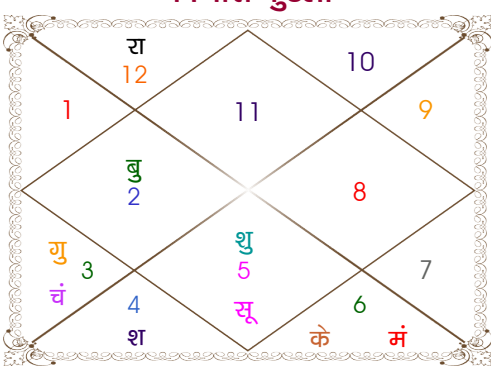

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 10 मास 9 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/01/2026		11/11/2030		11/11/2037		11/11/2055		11/11/2071	
11/11/2030		11/11/2037		11/11/2055		11/11/2071		11/11/2090	
	00/00/0000	मंगल	09/04/2031	राहु	24/07/2040	गुरु	30/12/2057	शनि	14/11/2074
	00/00/0000	राहु	27/04/2032	गुरु	18/12/2042	शनि	12/07/2060	बुध	24/07/2077
	00/00/0000	गुरु	03/04/2033	शनि	24/10/2045	बुध	18/10/2062	केतु	02/09/2078
	01/01/2026	शनि	12/05/2034	बुध	12/05/2048	केतु	24/09/2063	शुक्र	02/11/2081
शनि	11/09/2026	बुध	10/05/2035	केतु	31/05/2049	शुक्र	25/05/2066	सूर्य	15/10/2082
बुध	11/02/2028	केतु	06/10/2035	शुक्र	30/05/2052	सूर्य	13/03/2067	चंद्र	15/05/2084
केतु	11/09/2028	शुक्र	05/12/2036	सूर्य	24/04/2053	चंद्र	12/07/2068	मंगल	24/06/2085
शुक्र	12/05/2030	सूर्य	12/04/2037	चंद्र	24/10/2054	मंगल	18/06/2069	राहु	30/04/2088
सूर्य	11/11/2030	चंद्र	11/11/2037	मंगल	11/11/2055	राहु	11/11/2071	गुरु	11/11/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/11/2090		12/11/2107		12/11/2114		12/11/2134		12/11/2140	
12/11/2107		12/11/2114		12/11/2134		12/11/2140		00/00/0000	
बुध	09/04/2093	केतु	10/04/2108	शुक्र	14/03/2118	सूर्य	02/03/2135	चंद्र	12/09/2141
केतु	06/04/2094	शुक्र	10/06/2109	सूर्य	14/03/2119	चंद्र	31/08/2135	मंगल	13/04/2142
शुक्र	04/02/2097	सूर्य	15/10/2109	चंद्र	12/11/2120	मंगल	06/01/2136	राहु	13/10/2143
सूर्य	11/12/2097	चंद्र	17/05/2110	मंगल	12/01/2122	राहु	30/11/2136	गुरु	11/02/2145
चंद्र	13/05/2099	मंगल	13/10/2110	राहु	11/01/2125	गुरु	18/09/2137	शनि	02/01/2146
मंगल	10/05/2100	राहु	31/10/2111	गुरु	12/09/2127	शनि	31/08/2138		00/00/0000
राहु	27/11/2102	गुरु	06/10/2112	शनि	12/11/2130	बुध	08/07/2139		00/00/0000
गुरु	04/03/2105	शनि	15/11/2113	बुध	12/09/2133	केतु	12/11/2139		00/00/0000
शनि	12/11/2107	बुध	12/11/2114	केतु	12/11/2134	शुक्र	12/11/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 10 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।